हिन्दी पूरक पुस्तिका

उच्च स्तर

Hindi Supplementary Material Booklet

Advance Levels

The scope of this booklet is rather a limited one. The booklet is intended to mainly supplement the advance level Hindi textbooks, currently used at Marlboro and Montgomery Hindi Schools. Some of the contents herein can also be used as stand-alone topics since they are complete within themselves. The worksheets with illustrations and examples are designed for appropriate advance levels. The topics have been clearly presented so that the learners have better understanding of Hindi language; especially grammatically correct Hindi speaking. While in-depth details of Hindi grammar are not in the scope of this booklet the teachers and learners will find the contents helpful in improving their daily usage of spoken and written Hindi language. Transliteration scheme, wherever used, is ITRANS.

References for Advance I and II Classes

The references and topics provided here are recommended for designing class activities to be worked out in small groups of two-three students. The references can also be used to design small projects that students can work at home. Some of the references are also suitable in media lab.

Teachers Notes

*Our students have a major weakness in expressing themselves in writing. It is highly recommended that teachers select a **short and simple** paragraph appropriate for these class levels (context sensitive). The dictation must be a class activity every day. Peer-review after dictation is also a good idea. It does not affect students grades. It empowers the students and helps in creating constructive and students centered classroom activities. Several paragraphs according to students' capabilities can be designed. That is, teachers do not need to give the same dictation for the whole class.*

I. Hindi literary magazine: The site below is a great site to obtain short stories written by famous Indian authors, stories from Indian Mythology and history. Stories can be selected based on the level of the students and questions can be assigned once the story is read to assure that the students understand.

http://www.bharatdarshan.co.nz/literature-collection/2/51/kahani.html/

II. Bhaarat Jaano: Know India through project-based learning. The sites below are useful when the students are working on projects about India and Indian culture.

http://www.culturalindia.net

Indian States and Capitals:

http://www.mapsofindia.com/maps/schoolchildrens/statesandcapitals.htm

Historical Buildings in India: (temples, forts, palaces)

http://whc.unesco.org/en/statesparties/IN/

http://asi.nic.in/asi_monu_whs.asp

http://en.wikipedia.org/wiki/List_of_World_Heritage_Sites_in_India

http://www.indianmonumentsportal.com/famous-monuments/

Indian Musical Instruments:

http://tablasitar.net/naal-history-info/

http://www.metmuseum.org/toah/hd/indi/hd_indi.htm

http://welcome-2-india.blogspot.com/2010/06/music-instruments-in-india.html

Indian Dance forms:

http://georgandreassuhr.wordpress.com/2012/12/16/the-8-classical-dance-styles-of-india/

http://203.129.205.229/oerp/StudentContent/generalknowledge/StateAndItsFolkDances.pdf

Indian Festivals:

http://goindia.about.com/od/festivalsevents/tp/Indiafestivals.htm

Indian Poets/Poems:

http://www.hindiguru.org/writers_poets.html

III. Aaj ke Samachaar: (Hindi newspapers – reading small articles in newspapers and answering questions raised by the teacher or briefly giving a synopsis of what is read).

http://www.indiapress.org/gen/news.php/Dainik_Jagran/400x60/0

http://www.indiapress.org/gen/news.php/Rajasthan_Patrika/400x60/0

http://www.indiapress.org/gen/news.php/Nav_Bharat_Times/400x60/0

http://www.indiapress.org/gen/news.php/Nava_Bharat/400x60/0

http://www.indiapress.org/gen/news.php/Amar_Ujala/400x60/0

ताजमहल: आधुनिक विश्व के सात आश्चर्यों में से एक है

ताजमहल (निर्माण-सन् 1632 से 1653 ई.) आगरा, उत्तरप्रदेश राज्य, भारत में स्थित है। ताजमहल आगरा शहर के बाहरी इलाके में यमुना नदी के दक्षिणी तट पर बना हुआ है। ताजमहल मुग़ल शासन की सबसे प्रसिद्ध स्मारक है। सफ़ेद संगमरमर की यह कृति संसार भर में प्रसिद्ध है और पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है। ताजमहल विश्व के सात आश्चर्यों/ अजूबों में से एक है। ताजमहल एक महान शासक का अपनी प्रिय रानी के प्रति प्रेम का अद्भुत शाहकार (=art related big creation) है। ताजमहल का सबसे मनमोहक और सुंदर दृश्य पूर्णिमा की रात को दिखाई देता है, जब यह इमारत दूध में नहलाई प्रतीत होती है।

ताज महल आगरा शहर में स्थित है। भारत के मानचित्र में देखिये यह भारत की राजधानी नई दिल्ली के कितना नजदीक है। इस लिए लोग दिल्ली से आगरा गाड़ियों से भी चले जाते हैं।

इतिहास

मुग़ल बादशाह शाहजहाँ ने ताजमहल को अपनी पत्नी अर्जुमंद बानो बेगम, जिन्हें मुमताज़ महल भी कहा जाता था, की याद में बनवाया था। ताजमहल को शाहजहाँ ने मुमताज़ महल की क़ब्र के ऊपर बनवाया था। मृत्यु के बाद शाहजहाँ को भी वहीं दफ़नाया गया। मुमताज़ महल के नाम पर ही इस मक़बरे का नाम ताजमहल पड़ा। सन् 1612 ई. में निकाह के बाद 1631 में प्रसूति के दौरान बुरहानपुर में मृत्यु होने तक अर्जुमंद शाहजहाँ की अभिन्न संगिनी बनी रहीं। मुमताज़ महल के रहने के लिए दिवंगत रानी के नाम पर मुमताज़ा बाद बनाया गया, जिसे अब ताज गंज कहते हैं और यह भी इसके नज़दीक निर्मित किया गया था।

ताजमहज मुग़ल वास्तुकला का उत्कृष्ट नमूना है। ताजमहल के निर्माण में फ़ारसी, तुर्क, भारतीय तथा इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर सम्मिश्रण किया गया है। 1983 ई. में ताजमहल को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। ताजमहल को भारत की इस्लामी कला का रत्न भी घोषित किया गया है। ताजमहल का श्वेत गुम्बद एवं टाइल आकार में संगमरमर से ढका केन्द्रीय मक़बरा वास्तु सौंदर्य का अप्रीतम उदाहरण है।

ऐसा कहा जाता है, कि शाहजहाँ ने उन कारीगरों के अंगच्छेदन आदि करा दिये थे, या मरवा दिया था, जिन्होंने ताजमहल का निर्माण कराया था। परंतु इसके पूर्ण साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। कुछ लोगों का कहना है, कि ताजमहल के निर्माण से जुड़े

लोगों से यह करारनामा लिखवा लिया गया था, कि वे ऐसे रूप का कोई भी दूसरी इमारत नहीं बनाएंगे। ऐसे ही दावे कई प्रसिद्ध इमारतों के बारे में भी किए जाते रहे हैं।

इस इमारत का निर्माण सदा से प्रशंसा एवं विस्मय का विषय रहा है। इसने धर्म, संस्कृति एवं भूगोल की सीमाओं को पारकर के लोगों के दिलों से वैयक्तिक एवं भावनात्मक प्रतिक्रिया कराई है।

निर्माण

ताजमहल आगरा नगर के दक्षिण छोर पर एक छोटे भूमि पठार पर बनाया गया था। शाहजहाँ ने इसके बदले जयपुर के महाराजा जयसिंह को आगरा शहर के मध्य एक वृहत (=grand) महल दिया था। लगभग तीन एकड़ के क्षेत्र को खोदा गया, एवं उसमें कूड़ा कर्कट भर कर उसे नदी सतह से पचास मीटर ऊँचा बनाया गया, जिससे कि सीलन आदि से बचाव हो पाए। मकबरे के क्षेत्र में, पचास कुँए खोद कर कंकड़-पत्थरों से भरकर नींव स्थान बनाया गया। फिर बांस के परंपरागत पैड़ (*स्कैफ्फोल्डिंग*) के बजाय, एक बहुत बड़ा ईंटों का, मकबरे समान ही ढाँचा बनाया गया। यह ढाँचा इतना बड़ा था, कि उसे हटाने में ही सालों लग जाते। इसका समाधान यह हुआ, कि शाहजाहाँ के आदेशानुसार स्थानीय किसानों को खुली छूट दी गई कि एक दिन में कोई भी चाहे जितनी ईंटें उठा सकता है और वह ढाँचा रात भर में ही साफ हो गया। सारी निर्माण सामग्री एवं संगमर्मर को नियत स्थान पर पहुँचाने हेतु, एक पंद्रह किलोमीटर लम्बा मिट्टी का ढाल बनाया गया। बीस से तीस बैलों को खास निर्मित गाड़ियों में जोतकर शिलाखण्डों को यहाँ लाया गया था। एक विस्तृत पैड़ एवं बल्ली से बनी, चरखी चलाने की प्रणाली बनाई गई, जिससे कि खण्डों को इच्छित स्थानों पर पहुँचाया गया। नदी से पानी लाने हेतु रहट प्रणाली का प्रयोग किया गया था। उससे पानी ऊपर बने बड़े टैंक में भरा जाता था। फिर यह तीन गौण टैंकों में भरा जाता था, जहाँ से यह नलियों (पाइपों) द्वारा स्थानों पर पहुँचाया जाता था।

आधारशिला एवं मकबरे को निर्मित होने में बारह साल लगे। शेष इमारतों एवं भागों को अगले दस वर्षों में पूर्ण किया गया। इनमें पहले मीनारें, फिर मस्जिद, फिर जवाब एवं अंत में मुख्य द्वार बने। क्योंकि यह समूह, कई अवस्थाओं में बना, इसलिये इसकी निर्माण-समाप्ति तिथि में कई भिन्नताएं हैं। यह इसलिये है, क्योंकि पूर्णता के कई पृथक मत हैं। उदाहरणतः मुख्य मकबरा 1643 में पूर्ण हुआ था, किंतु शेष समूह इमारतें बनती रहीं। इसी प्रकार इसकी निर्माण कीमत में भी भिन्नताएं हैं, क्योंकि इसकी कीमत तय करने में समय के अंतराल से काफी फर्क आ गया है। फिर भी कुल मूल्य लगभग 3 अरब 20 करोड़ रुपए, उस समयानुसार आंका गया है; जो कि वर्तमान में खरबों डॉलर से भी अधिक हो सकता है, यदि वर्तमान मुद्रा में बदला जाए।

ताजमहल को सम्पूर्ण भारत एवं एशिया से लाई गई सामग्री से निर्मित किया गया था। 1,000 से अधिक हाथी निर्माण के दौरान यातायात हेतु प्रयोग हुए थे। पराभासी श्वेत संगमर्मर को राजस्थान से लाया गया था, जैस्पर पंजाब से, जेड एवं क्रिस्टल को चीन से। तिब्बत से फीरोज़ा, अफगानिस्तान से लैपिज़ लज़ूली, श्रीलंका से नीलम, एवं अरबिया से इंद्रगोप या *(कार्नेलियन)* लाए गए थे। कुल मिला कर अट्ठाइस प्रकार के बहुमूल्य पत्थर एवं रत्न श्वेत संगमर्मर में जड़े गए थे।

उत्तरी भारत से लगभग बीस हज़ार मज़दूरों की सेना अन्वरत कार्यरत थी। बुखारा से शिल्पकार, सीरिया एवं ईरान से सुलेखन कर्ता, दक्षिण भारत से पच्चीकारी के कारीगर, बलूचिस्तान से पत्थर तराशने एवं काटने वाले कारीगर इनमें शामिल थे। कंगूरे, बुर्जी एवं कलश आदि बनाने वाले, दूसरा जो केवल संगमर्मर पर पुष्प तराश्ता था, इत्यादि सत्ताईस कारीगरों में से कुछ थे, जिन्होंने सृजन इकाई गठित की थी।

पर्यटन

ताजमहल प्रत्येक वर्ष 20 से 40 लाख दर्शकों को आकर्षित करता है, जिसमें से 200,000 से अधिक विदेशी होते हैं। अधिकतर पर्यटक यहाँ अक्तूबर, नवंबर, एवं फरवरी महीनों में आते हैं।

इस स्मारक के आसपास प्रदूषण फैलाते वाहन प्रतिबन्धित हैं। पर्यटक पार्किंग से या तो पैदल जा सकते हैं, या विद्युत चालित बस सेवा द्वारा भी जा सकते हैं। प्रशंसित पर्यटन स्थलों की सूची में ताजमहल सदा ही सर्वोच्च स्थान लेता रहा है। यह सात आश्चर्यों की सूची में भी आता रहा है। अब यह आधुनिक विश्व के सात आश्चर्यों में प्रथम स्थान पाया है। यह स्थान विश्वव्यापी मतदान से हुआ था। जहाँ इसे दस करोड़ मत मिले थे।

सुरक्षा कारणों से केवल पाँच वस्तुएं - पारदर्शी बोतलों में पानी, छोटे वीडियो कैमरा, स्थिर कैमरा, मोबाइल फोन एवं छोटे महिला बटुए - ताजमहल में ले जाने की अनुमति है।

पाठ ज्ञान *comprehension skills*

नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर दो। Answer the following questions

---

(क) ताजमहल कहाँ है?

(ख) ताजमहल किस नदी के तट पर है?

(ग) ताजमहल किसने बनवाया?

(घ) ताजमहल क्यों बनवाया गया था?

(ङ) ताजमहल का सबसे मनमोहक दृश्य कब दिखाई देता है?

(च) ताजमहल की खूबसूरती के बारे में 2 वाक्य लिखिए।

(छ) यूनेस्को ने ताज महल को क्या घोषित किया है?

(ज) कुल मिलाकर कितने प्रकार के बहुमूल्य पत्थर और रत्न जड़े गए?

(झ) प्रतिवर्ष कितने लोग ताजमहल को देखने जाते हैं?

(ञ) आधुनिक विश्व के सात आश्चर्यों में ताज महल का क्या स्थान है?